आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 153 | उज्जैन, शनिवार 26 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

आपातकालीन चिकित्सा उपलब्ध कराने में प्रभावी पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिलों में बेहतर विभागीय समन्वय सुनिचित किया जाए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हर जीवन अमूल्य है, आपातकालीन चिकित्सकीय परिस्थितियों में व्यक्ति को उन्नत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सुविधा प्रदेश में आरंभ की गई है। इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार और जिला स्तर पर बेहतर विभागीय समन्वय से क्रियान्वयन आवश्यक है। ऐसे क्षेत्रों में जहां उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां पीपीपी मोड पर चिकित्सालय बनाने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा योजना की वृहद समीक्षा की। उन्होंने योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए गृह विभाग, स्वास्थ्य विभाग और विमानन विभाग की समन्वय पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि सेवाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित कर अमूल्य जीवन का संरक्षण किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकालीन स्थितियों में जैसे सड़क दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा में, ट्रॉमा यूनिट और प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम को घटना स्थल तक एयर एम्बुलेंस द्वारा पहुंचाया जाना चाहिए। इसके साथ ही एयर एम्बुलेंस सेवा के बेहतर उपयोग के लिए सेंसिटिव क्षेत्रों में प्राथमिकता से आवश्यक लैंडिंग अधोसंरचना का विकास करने पर उन्होंने जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐसे क्षेत्र जहाँ सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं उन्हें चिन्हित करने और इन क्षेत्रों से ट्रॉमा सेंटर तक जल्दी पहुंचाने के लिए सुनियोजित योजना पर कार्य करने के निर्देश दिये, ताकि शीघ्रता से पीड़ित को चिकित्सकीय सेवाएं मुहैया कराई जा सकें।

हाफिज सईद ने लिखी पहलगाम हमले की स्क्रिप्ट 26/11 हमलों के मास्टरमाइंड का घाटी में हुए अटैक से मिला लिंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत में काफी ज्यादा गुस्सा और आक्रोश है। इस हमले ने जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से एक्टिव आतंकी मॉड्यूल को सामने ला दिया है।

लश्कर से जुड़े समूह ने किया पहलगाम में हमला- 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद घाटी में ये हमला काफी ज्यादा घातक माना जा रहा है और इस आतंकी हमले ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत सरकार की ओर से उच्च-स्तरीय कूटनीतिक और सुरक्षा प्रतिक्रियाएं शुरू कर दी गई है। यह हमला प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े एक कट्टर समूह द्वारा किया गया है, जिसमें ज्यादातर विदेशी आतंकवादी शामिल हैं, जिन्हें स्थानीय आतंकवादियों और घाटी के ओवरग्राउंड वर्करों का समर्थन प्राप्त है और जो 26/11 हमलों को मास्टरमाइंड और लश्कर प्रमुख हाफिज सईद के कंट्रोल में हैं।

सूत्रों के अनुसार, यह विशेष मॉड्यूल कश्मीर घाटी में लंबे समय से सक्रिय है और सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह सोनमर्ग, बूटा पथरी और गंदेरबल सहित पूरे क्षेत्र में कई हाई-प्रोफाल हमलों के पीछे है।

हमला याद दिलाता है कि आंतकवाद..., पहलगाम अटैक पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले में मारे गए 26 नागरिकों की मौत के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। हमले को लेकर नेताओं की प्रतिक्रिया जारी है। अब भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का पहलगाम हमले पर बयान सामने आया है।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला एक भयानक याद दिलाता है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है, जिसका समाधान मानवता को एकजुट होकर करना होगा। उन्होंने लोगों से राजनीतिक, व्यक्तिगत और अन्य हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की अपील की।

भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश- जगदीप धनखड़ ने आगे कहा, भारत दुनिया का सबसे शांतिप्रिय देश है और वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने का सिद्धांत) में परिलक्षित इसकी सभ्यता की भावना वैश्विक स्तर पर गूंज रही है।

पाकिस्तानियों को खोजो और वापस भेजो, पहलगाम हमले के बाद एक्शन में अमित शाह; सभी CM को दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। पहले पीएम मोदी ने आपात बैठक कर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा कैंसिल करने का फैसला किया।

कोई पाक नागरिक भारत में न रहे- अब गृह मंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से बात करके उन्हें कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि देश छोड़ने की समय सीमा समाप्त होने के बाद कोई भी पाकिस्तानी भारत में न रहे।

दरअसल, शाह ने आज सभी मुख्यमंत्रियों से बात करके उन्हें कहा कि वो अपने-अपने राज्य में खोज-खोजकर सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से वापस पाक भेजने का काम करें। गृहमंत्री ने अधिकारियों के साथ हुई लंबी बैठक के बाद ये निर्देश जारी किया।

लगातार एक्शन ले रही मोदी सरकार - बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से केंद्र की मोदी सरकार लगातार एक्शन मोद में हैं। हमले के बाद भारत ने सबसे पहले कड़ा कदम उठाते हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया। भारत ने औपचारिक पत्र लिखकर समझौता रद करने की जानकारी पाक को दी।

सिंधु समझौता पाक को बड़ी चोट - भारत सरकार द्वारा सिंधु समझौता स्थगित करना एक बड़ा कदम है। दरअसल, पाक के 21 करोड़ लोग इसी के पानी पर निर्भर है। सभी लोगों के लिए ये लाइफ लाइन मानी जाती है।

शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने को कहा - पाकिस्तान के सभी तरह के वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला लिया गया है। शाह ने मुख्यमंत्रियों से लोगों की शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को भी कहा है।

देश शक्तिशाली है, ये दिखाने का समय आ गया, पहलगाम आतंकी हमले पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में आतंकियों ने 26 निहत्थे और बेगुनाहों लोगों पर गोली चलाकर उनकी जान ले ली।

वहीं, पहलगाम आतंकी हमले पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश शक्तिशाली है, ये दिखाने का समय आ गया है। मोहन भागवत ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों से उनका धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी। लेकिन हिन्दू ऐसा काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं करारा जवाब दिया जाएगा।

हिन्दू कभी नहीं करेगा ऐसा काम- संघ प्रमुख ने कहा, लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिन्दू ऐसा काम कभी नहीं करेगा। युद्ध धर्म और अधर्म के बीच है। हमारे दिल में दर्द है और हम गुस्से में हैं, लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत दिखानी होगी। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला इसलिए राम के पास कोई विकल्प नहीं था। राम ने उसे सुधरना का मौका दिया था और फिर उसके बाद मारा था। मोहन भागवत ने कहा, अगर हम एकजुट हैं तो कोई भी हमारी ओर बुरी नीयत से देखने की हिम्मत नहीं करेगा और अगर कोई ऐसा करता है तो उसकी आंखें फोड़ दी जाएगी। हमें कड़ी जवाबी कार्रवाई की उम्मीद है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, घृणा और शत्रुता हमारे स्वभाव में नहीं है लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है।

फ्रांस भारत के साथ खड़ा है, पहलगाम हमले के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने पीएम मोदी को किया फोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। कई देशों के नुमाइंदें इस हमले की कड़ी निंदा कर चुके हैं। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी पहलगाम हमले की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि फ्रांस पूरी दृढ़ता से भारत के साथ खड़ा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस बातचीत की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की।

भारत से दुश्मनी पड़ी महंगी! पाकिस्तान में आसमान छूने वाली है जरूरी सामानों की कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान के साथ सभी तरह के व्यापार को रोक दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

हालांकि, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, इस सीमा बंद होने से केवल औपचारिक व्यापार रुकने की उम्मीद है, मांग नहीं। पाकिस्तान तीसरे देशों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सामान मंगाना जारी रखने की कोशिश कर सकता है, लेकिन इसकी कीमत ज़्यादा होगी।

पुलवामा हमले के बाद भारत ने रद किया MFN का दर्जा- जीटीआरआई ने उल्लेख किया कि फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। उस समय, भारत ने पाकिस्तान का सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा रद कर दिया था और उसके आयात पर 200 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया था।

जीटीआरआई के अनुसार, सीमा बंद होने से औपचारिक व्यापार रुक जाता है, लेकिन मांग नहीं। पाकिस्तान भारतीय सामान खरीदना जारी रखेगा, बस ज्यादा कीमत पर और तीसरे देशों के जरिए। बता दें, भारत द्वारा पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान का एमएफएन का दर्जा रद करने के बाद पाकिस्तान ने अगस्त 2019 तक भारत के साथ सभी द्विपक्षीय व्यापार को निलंबित कर दिया था। तभी से दोनों देशों के बीच औपचारिक व्यापार को बड़े पैमाने पर निलंबित कर दिया गया है। पाकिस्तान भारत से केवल कुछ चीजें ही निर्यात करता है, जिसमें मुख्य रूप से दवाइयों को मानवीय आधार पर अनुमति दी गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, व्यापार रोक के बावजूद, भारत ने वित्त वर्ष अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच पाकिस्तान को 447.7 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य का सामान निर्यात किया है।

इन निर्यातों में मुख्य रूप से आवश्यक वस्तुएं जैसे कि फार्मास्यूटिकल्स (110.1 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक), 129.6 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की सक्रिय दवा सामग्री (एपीआईएस), 85.2 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की चीनी, 12.8 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के ऑटो पार्ट्स और 6 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के उर्वरक शामिल थे।

पहलगाम हमले का निकला हमास कनेक्शन, इजरायल ने खोले कई राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है और इस हमले को इजरायल में 2023 में हुए हमास के हमले से जोड़ा है। उन्होंने पहलगाम हमले को बर्बर और क्रूर बताया है।

अजार ने कहा कि हमास के आतंकियों को पाकिस्तान में आमंत्रित करना बुरा संकेत देता है। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और हमें जो भी करना है करना चाहिए। न केवल अपराधियों को पकड़ना चाहिए बल्कि ऐसी घटना दोबारा न हो इसके लिए कदम उठाना चाहिए। पहलगाम हमले से काफी पहले राजनयिक ने फलिस्तीन आतंकवादी संगठन हमास के नेताओं की ओर से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के साथ बैठक करने की खबर पर चिंता व्यक्ति की।

एक दूसरे की नकल में लगे हैं आतंकवादी - रुवेन अजार ने कहा, आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और न ही इसे उचित ठहराया जा सकता है। यह सच्चाई है कि आतंकवादियों को दूसरे संगठनों से पनाह मिल रही है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, यह सच है कि हमास के आतंकवादियों को पाकिस्तान में आमंत्रित किया गया, ये एक बुरा संकेत है। ये आतंकवादी एक-दूसरे की नकल में लगे हैं और एक-दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं और हमें उनसे खुद का बचाव करना होगा।

हमास के कश्मीरी आतंकियों से संबंध- एनडीटीवी से बातचीत के दौरान इजरायली राजदूत ने कहा, आतंकवादी सभी स्तरों पर एक-दूसरे का सहयोग कर रहे हैं और एक दूसरे की नकल करने में लगे हैं। मुझे यकीन है कि खुफिया एजेंसियां उन्हें हराने के लिए मिलकर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, पहलगाम हमले में और 7 अक्टूबर 2023 में इजरायल में जो हुआ, इन दोनों घटनाओं में समानताएं हैं। निर्दोष पर्यटक पहलगाम में अपनी छुट्टियां मना रहे थे, जबकि इजरायल में लोग संगीत समारोह मना रहे थे।

रुवेन अजार ने भारत की प्रतिक्रिया की तारीफ की- इजरायली राजदूत ने पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस प्रकार प्रतिक्रिया दी है उसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से काफी उत्साहित हूं। रुवेन अजार ने भारत के कूटनीतिक कदमों का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना और पहलगाम हमले के बाद सीमा पार संबंधों के मद्देनजर अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को तत्काल बंद करना शामिल है।

भारत हमला करेगा तो हमारी सेना..., मोदी सरकार के एक्शन से तिलमिलाया पाकिस्तान; अब क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकियों का दुनिया के अंत तक पीछा कर उन्हें अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। भारत ने पहले ही कई कड़े फैसले उठाते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने की ठान ली है।

उधर पाकिस्तान में भारत के हमले की आशंका को लेकर डर का माहौल है। पाकिस्तान लगातार अपने लोगों के बीच यह दिखाने का प्रयास कर रहा है कि वह भारत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। पहले पाकिस्तान ने शिमला समझौता रद करने की धमकी दी और अब वह गीदड़भभकी दे रहा है कि अगर भारत ने हमला किया, तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।

डर के साए में जी रहा पाकिस्तान- भारत के कड़े रुख के बाद से ही पाकिस्तान डर के साये में जी रहा है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर किसी भी संदर्भ में पाकिस्तान के लिए कोई चुनौती है, तो हमारी सेना इसके लिए तैयार है।

डार ने कहा कि भारत के किसी भी कदम के लिए उचित और तत्काल जवाब दिया जाएगा। बता दें कि इसके पहले पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया था। भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को रद करने को उसने युद्ध की पहल करार दिया था।

पाकिस्तानियों को देश छोड़ने का अल्टीमेटम- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा है कि अगर पाकिस्तानी नागरिकों को कोई क्षति होगी, तो भारतीय सिविलियन को भी नुकसान उठाना पड़ेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री आतंकवादियों को पनाह दे रहे, पहलगाम हमले के बाद भड़का हिंदू क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया ने अपने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर आतंकवादियों को पनाह देने और पालने का आरोप लगाया है और आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की है।

हमले में पाकिस्तान की भूमिका का संकेत- ब्रिटेन में रह रहे 44 वर्षीय कनेरिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शरीफ ने हमले पर चुप्पी साध रखी है जो पाकिस्तान की भूमिका का संकेत है।

आप आतंकवादियों को पनाह और पोषण दे रहे हैं- कनेरिया

कनेरिया ने लिखा कि अगर पाकिस्तान की पहलगाम आतंकी हमले में वाकई कोई भूमिका नहीं है, तो प्रधानमंत्री शहबाज ने अभी तक इसकी निंदा क्यों नहीं की? आपकी सेना अचानक हाई अलर्ट पर क्यों है? क्योंकि अंदर से आप सच्चाई जानते हैं। आप आतंकवादियों को पनाह और पोषण दे रहे हैं। शर्म आनी चाहिए।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी - गौरतलब है कि पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

ब्रिटेन की संसद में गूंजा पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दा, पीड़ितों को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की है। स्लॉ से ब्रिटेन के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने उम्मीद जताई कि हमले के पीछे के अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

संसद में अपने भाषण में धेसी ने नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले पर दुख जताया और कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है।

ब्रिटेन के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी कहा कि हम इस सप्ताह पोप फ्रांसिस के दुखद निधन का शोक मना रहे हैं, लेकिन मैं इस सप्ताह जम्मू और कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण, घातक, चौंकाने वाले आतंकवादी हमले से भी बहुत दुखी हूं। पीड़ितों के परिवार मेरी प्रार्थनाओं में हैं, और मुझे पूरी उम्मीद है कि अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता ने जताया दुख - ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने पहलगाम में हुए हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया और कहा कि ब्रिटेन सरकार की संवेदनाएं इससे प्रभावित लोगों के साथ हैं।

वर्जीनिया में आर्मी बेस कैंप में बड़ा हादसा, एयर शो की तैयारी के दौरान प्लेन क्रैश से पायलट की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को वर्जीनिया में एक सैन्य अड्डे पर एयर शो की तैयारी के दौरान एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार पायलट की मौत हो गई। प्रेस रिलीज जारी कर आर्मी बेस के अधिकारियों ने बताया कि विमान हैम्पटन में संयुक्त बेस लैंगली-यूस्टिस पर उतरते समय दुर्घटना का शिकार हो गया।

एयर शो की तैयारी के दौरान हुआ हादसा - विमान के पायलट की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पायलट एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयर शो की तैयारी कर रहा था, जो इस सप्ताह के अंत में बेस पर होने वाला था।

ज्वाइंट बेस लैंगली-यूस्टिस के कमांडर कर्नल मैथ्यू ऑल्टमैन ने एक बयान में कहा, आज हमने अपने वायु सेना परिवार के एक मित्र को खो दिया। हमारी पूरी छ्क्क्ष टीम की ओर से, मैं पायलट के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं।

दुर्घटना की हो रही है जांच- नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस की दुर्घटना की जांच की जा रही है। एमएक्स एयरक्राफ्ट की वेबसाइट के अनुसार, एमएक्सएस एक सिंगल-सीट वाला विमान है।

बता दें, जिस बेस पर दुर्घटना हुई, वह सेना के फोर्ट यूस्टिस और लैंगली एयर फोर्स बेस है, जो चेसापीक खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी किनारे के पास स्थित है। यह प्रतिष्ठान स्न-22 रैप्टर लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन का घर है। उनमें से एक ने 2023 में अटलांटिक के ऊपर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था।

पाकिस्तान ने कबूली आतंकवाद फैलाने की बात, मंत्री ने कहा- 30 साल से कर रहे ये गंदा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक हैरान करने वाला बयान दिया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा ने एक बयान में माना कि पाक पिछले तीन दशकों से आतंकवाद को पाल रहा है।

रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है।

आतंकी संगठनों को धन देना का इतिहास रहा- वायरल हो रहे एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछती हैं, आप मानते हैं, सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं...

पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता- ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा, ब्रिटेन समेत पश्चिम... यह एक गलती थी, और हमें इसके लिए भुगतना पड़ा, और इसलिए आप मुझसे यह कह रहे हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।

पाक पत्रकार ने पहलगाम पर पूछा सवाल, तो अमेरिकी प्रवक्ता ने बंद कर दी बोलती; दिखाया आईना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इस बीच पहलगाम पर पाकिस्तानी पत्रकार की अमेरिका की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बोलती बंद कर दी। एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने पत्रकार के सवाल को टाल दिया। ये सवाल जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव पर उनसे पूछा गया था। ब्रूस ने पाकिस्तान पत्रकार को जवाब देते हुए कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करने जा रही हूं और शायद हम किसी अन्य अन्य विषय के साथ आपके पास वापस आएंगे। ब्रूस ने कहा, मैं उस स्थिति पर और कुछ नहीं कहूंगी। टैमी ब्रूस ने कहा, राष्ट्रपति और उप सचिव ने अपनी बातें रखी हैं। मैं इस पर अब कोई बात आगे नहीं बढ़ाऊंगी।

अमेरिकी प्रवक्ता का बयान - ब्रूस ने आगे कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ खड़ा है, आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का एलान करते हैं।

ट्रंप ने की पीएम मोदी से बात- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। ट्रंप ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की और इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत को पूरा समर्थन व्यक्त किया।इसके बाद पीएम मोदी ने भी उनका आभार जताया।

उनकी दादी इंदिरा ने भी..., सावरकर टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने की राहुल गांधी की खिंचाई; क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विनायक दामोदर सावरकर पर गलत टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई है। महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान सावरकर पर राहुल गांधी ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसकी सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी निंदा की।

हालांकि, कोर्ट ने राहुल पर आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी।

स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक उड़ाना सही नहीं- न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और मनमोहन की पीठ ने कहा कि हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

पीठ ने गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि क्या उन्हें पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों को लिखे अपने संदेश में आपका वफादार सेवक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था।

तो क्या गांधी जी को अंग्रेजों का सेवक कहेंगे- जब सिंघवी ने तर्क दिया कि गांधी के खिलाफ शत्रुता और सार्वजनिक उत्पात को बढ़ावा देने के आरोप नहीं बनते, तो पीठ ने टिप्पणी की, आप बहुत आज्ञाकारी हैं।

नीतीश सरकार ने बिजली सब्सिडी के लिए मंजूर किए 15995 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्य सरकार ने नागरिकों को वर्ष 2025-26 में बिजली अनुदान देने के लिए 15,995 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की है। यह राशि 1333 करोड़ मासिक के रूप में एनटीपीसी को भुगतान होगी।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। बैठक में 34 प्रस्ताव स्वीकृत किये गए हैं।

6 शहरों में एयरपोर्ट का प्रस्ताव

सरकार ने मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर,वाल्मीकि नगर, भागलपुर और सहरसा में हवाई अड्डे की स्थापना को लेकर प्री फिजिबिलिटी अध्ययन के लिए इंडियन एयरपोर्ट अथॉरिटी का चयन नामांकन के आधार पर किया है।

इसके लिए एजेंसी को 2.43 करोड़ रुपये अग्रिम के रूप में स्वीकृत किये गए हैं। एजेंसी यहां हवाई उड़ान कितनी सम्भव है और किस श्रेणी के जहाज उड़ सकते हैं यह देखेगी।

बायो फ्यूल पर सरकार का स्पेशल फोकस- मंत्रिमंडल ने बायो फ्यूल की नीति में संशोधन किया है। इसके तहत निवेशक स्टेज वन के लिये मार्च 2027 तक आवेदन कर सकते हैं जबकि वितीय क्लीयरेंस मार्च 2028 तक प्राप्त कर सकेंगी।

ISRO के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन का निधन, महान अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने 84 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व प्रमुख और प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन का 84 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बेंगलुरु में अंतिम सांस ली।

27 अप्रैल को लोग कर सकेंगे अंतिम दर्शन- के कस्तूरीरंगन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे। अधिकरियों ने बताया कि आज सुबह उनका निधान हुआ है। 27 अप्रैल को अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा। एनईपी में सूचीबद्ध शिक्षा सुधारों के पीछे के व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया था।

राष्ट्रपति ने शोक व्यक्त किया - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने डॉ. कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, यह जानकर दुख हुआ कि डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन अब हमारे बीच नहीं रहे। इसरो के प्रमुख के रूप में उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रपति ने दुख जताते हुए लिखा, ज्ञान के प्रति अपने जुनून के साथ, उन्होंने विविध क्षेत्रों में भी बहुत योगदान दिया।

अंतरिम आदेश के खिलाफ..., वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट में क्या बोली केंद्र सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। वहीं, अब कोर्ट के अंतरिम आदेश पर केंद्र सरकार ने चुप्पी तोड़ी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का सख्त विरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि अदालत को वैधानिक प्रावधानों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश- दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट के अनुसार, केंद्र के जवाब देने तक वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की एंट्री नहीं होगी। आज इसी मामले पर कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक वैधानिक मामला है, जिसमें कोर्ट को रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा- संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। ऐसे में अंतरिम रोक शक्ति संतुलन के सिद्धांतों के खिलाफ है। यह कानून संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर बनाया गया है, जिसके बाद दोनों सदनों में कई घंटों की बहस हुई और फिर इस कानून को पास किया गया था।

केंद्र सरकार ने दिया जवाब - केंद्र सरकार के अनुसार, निस्संदेह सर्वोच्च न्यायालय के पास संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है। हालांकि, अतंरिम चरण में किसी भी प्रावधान पर रोक लगाना सही नहीं है। केंद्र सरकार का कहना है कि वक्फ अधिनियम को लेकर कोर्ट में जो भी याचिकाएं दायर हैं, उनमें किसी भी व्यक्तिगत मामले में अन्याय की शिकायत नहीं की गई है। इसलिए अंतरिम आदेश के जरिए कोई भी सरंक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

पाकिस्तान की नापाक साजिश बेनकाब, भारतीय सेना का सिपाही नहीं है वायरल वीडियो में दिख रहा व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को एक बड़ा आतंकी हमल हुआ, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर तमाम तरह के वीडियो सामने आए। इसी कड़ी में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सेना के यूनिफॉर्म पहने एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पहलगाम हमला, कोई आतंकी हमला नहीं था, बल्कि यह पूर्व नियोजित था।

इस वायरल वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा शख्स कोई और नहीं बल्कि भारतीय सेना का सिपाही अशोक कुमार है।

हालांकि, विश्वास न्यूज ने जब इस वीडियो की पड़ताल की तो यह दावा फेक पाया गया।

फेक निकला वीडियो - फैक्ट चेक में यह पाया गया कि वायरल वीडियो में दिख रहा व्यक्ति भारतीय सेना का सिपाही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की तरफ से फैलाए जा रहे फेक खबरों का एक प्रोपेगेंडा का हिस्सा है। एक्स हैंडल @war_Analysts से इस वीडियो को शेयर किया गया था।

अब ये एक्स हैंडल डिलीट किया जा चुका है। सेना ने भी इस वीडियो को फेक बताते हुए कहा कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति का भारतीय सेना से कोई संबंध नहीं है।

यह पहला मामला नहीं है जब इस तरह की फेक न्यूज भारतीय सेना के नाम से फैलाई गई है। इससे पहले भारतीय सेना के एक अधिकारी के नाम से ऐसा ही वीडियो वायरल किया गया था, जिसमें यह दावा किया गया था कि भारतीय सेना के 25 जवानों की मौत के बाद आहत होकर कर्नल विजय आचार्य नाम के अधिकारी ने अपना इस्तीफा दे दिया था।

विश्वास न्यूज ने अपनी जांच में इस वीडियो को भी फेक पाया था और इसे पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा बताया था। इस वीडियो में रिटायर्ड अधिकारी की तस्वीर का इस्तेमाल कर प्रॉक्सी अकाउंट से फेक दावा किया गया था।

पहलगाम हमले पर विवादित पोस्ट करना असम के छात्र को पड़ा भारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद सिलचर पुलिस ने असम विश्वविद्यालय के एक छात्र को हिरासत में लिया है। आरोपी छात्र पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर पहलगाम हमले से जुड़े भड़काऊ और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले पोस्ट शेयर किए हैं। असम पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी छात्र अभी पुलिस की हिरासत में है। उसे जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

दरअसल असम विश्वविद्यालय की विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पुलिस में शिकायत दर्ज की थी। इस शिकायत के अनुसार, असम विश्वविद्यालय में राजनीतिक शास्त्र की शिक्षा प्राप्त करने वाले एक छात्र ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उसने पहलगाम हमले की आलोचना करने के लिए ABVP समेत कई लोगों का विरोध किया था और उनके लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

आरोपी छात्र ने मांगी माफी- बता दें कि मंगलवार को जम्मू कश्मीर स्थित पहलगाम की बैसरन घाटी में आतकियों ने 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। हालांकि, आरोपी छात्र के खिलाफ मामला बढ़ने के बाद उसने अपनी फेसबुक पोस्ट डिलीट कर दी।

वहीं, एक दूसरा वीडियो शेयर करते हुए उसने माफी भी मांगी है। उसका कहना है कि वो किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता था।

असम सीएम का सख्त आदेश - इससे पहले असम पुलिस ने पहलगाम हमले पर पाकिस्तान का बचाव करने वाले विपक्षी विधायक अमिनुल इस्लाम को भी देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस पर बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान को समर्थन देने वाला कोई भी शख्स बख्शा नहीं जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

संपादकीय

आज के बच्चे हमारे कल के सुनहरे भारत की नीव और भविष्य है

आज के बच्चे हमारे कल के सुनहरे भारत की नीव और भविष्य हैं। साथियों बच्चा जब इस अनमोल प्राकृतिक सृष्टि में जन्म लेता है चाहे वह लड़का हो या लड़की, दोनों की एक जैसी शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक जरूरतें होती हैं। सीखने की क्षमता दोनों में बराबर होती है। दुलार, ध्यान और बढ़ावे की जरूरत दोनों को होती है। उस दिन से, दोनों माता-पिता के साथ ही परिवार के दूसरे सदस्यों को भी बच्चों की देखभाल में शामिल किये जाने की ज़रूरत है।पिताकी भूमिका खास तौर पर महत्वपूर्ण होती है। पिता प्यार, लगाव और उत्तेजना पाने की बच्चे कीजरूरतें पूरी करने के प्रयास को सुनिश्चित कर सकता है कि बच्चे को अच्छी शिक्षा, अच्छा पोषण मिले और उसकी सेहत की सही देखभाल हो। पिता सुरक्षित और हिंसा से मुक्त वातावरण को भी सुनिश्चित कर सकता है। पिता घरेलू काम में भी हाथ बंटा सकता है, खास कर तब जब मां बच्चे को दूध पिला रही हो। साथियों बात अगर हम बच्चों के शिक्षा की करें तो शिक्षा एक अलग जीवन का प्रवेश द्वार है,बच्चों के जीवन की शुरुआती वर्षों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आगे चलकर बच्चों की क्षमता को कई तरह से प्रभावित करती है।साथियों वैसे सभी बच्चों के शुरुआती बचपन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक मौलिक अधिकार भी है। साथियों बात अगर हम एक छोटे के गांव, शहर और मेट्रोसिटी के प्राथमिक स्कूलों की करें तो इन तीनों कैटेगरी में हमें अलग-अलग फर्क महसूस होगा जहां गांव में बच्चा एक अपूर्ण बुनियादी ढांचे में अपनी पढ़ाई करते हैं, वही शहरों और मेट्रोसिटी में प्री प्ले क्लास से लेकर आगे की कक्षाओं में निजी संचालित स्कूलों में बेहदआधुनिक बुनियादी ढांचे में शिक्षा ग्रहण करते हैं। यही कारण है कि बच्चा ज़ब आगे की क्लास के लिए गांव से शहर, मेट्रोसिटी में आते हैं तो पहले से शिक्षा में पिछड़े और पिछड़े हो जाते हैं क्योंकि कारण यह है कि उन बच्चों को शुरुआती बचपन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं हो पाई, जो आगे चल कर बच्चों की क्षमता को कई तरह से प्रभावित करती है, इसलिए हम देखते हैं कि उच्च शिक्षा डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, आईएएस आईपीएस परीक्षाओं के लिए तो मेट्रोसिटी में विद्यार्थी आते ही हैं परंतु आज प्राथमिक शिक्षा भी शहरों और मेट्रोसिटी में दिलाने की माता-पिता की कोशिश रहती ह,जिससे गरीब परिवार पूर्ण नहीं कर पाते इसलिए, अब समय आ गया है कि गांवों और छोटे शहरों में भी बच्चों की शुरुआती शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण देने का मौलिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए जिसके लिए शिक्षा की आधुनिक सुविधाओं को गांव तक पहुंचाने मज़बूत रणनीतिक रोडमैप बनाने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसीपीएम) भारत में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट जारी की जिसमें एक बच्चे के समग्र विकास में शिक्षा के शुरुआती वर्षों के महत्व को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत के दिशा निर्देशों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया है।

साथियों बात अगर हम पीएम आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा इस संबंध में जारी रिपोर्ट की करें तो पीआईबी के अनुसार,शुरुआती बचपन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सभी बच्चों का एक मौलिक अधिकार है। एक बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्षों को उनके सामने आने वाली सामाजिक आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बाधाओं की पृष्ठभूमि में समझने की ज़रूरत है, जो आगे चलकर बच्चे की क्षमता को कई तरह से प्रभावित करते हैं।

पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी

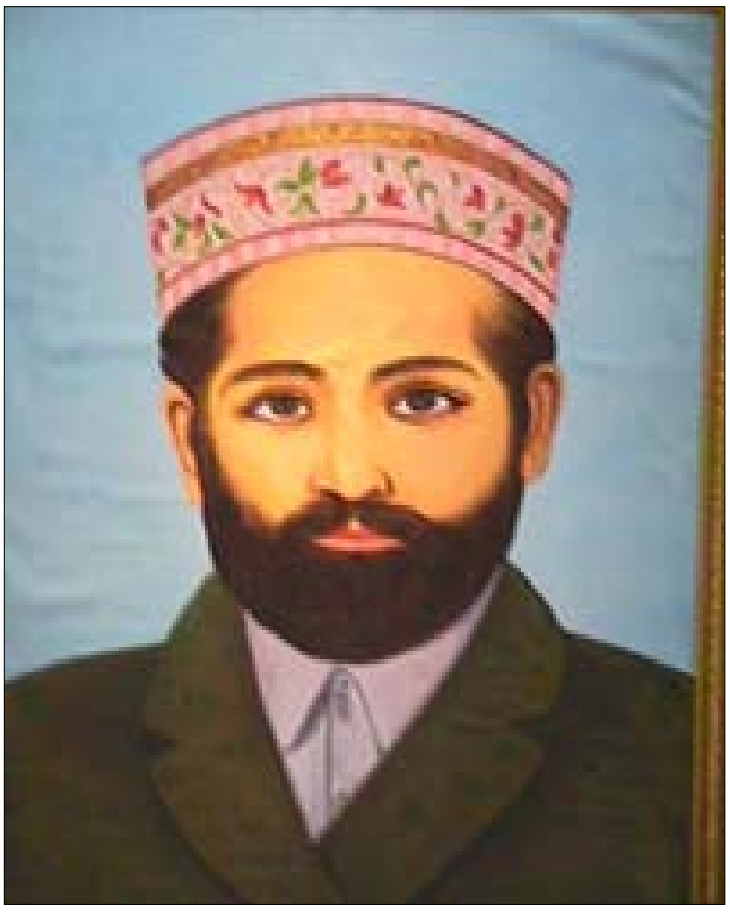

पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी आर्य समाज के प्रसिद्ध नेता थे। वे स्वामी दयानन्द सरस्वती के शिष्य थे। पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी की गिनती आर्य समाज के पाँच प्रमुख नेताओं में की जाती थी। दयानन्द सरस्वती के देहान्त के बाद गुरुदत्त विद्यार्थी ने उनकी स्मृति में दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज की स्थापना का प्रस्ताव रखा था। गुरुदत्त विद्यार्थी, लाला लाजपत राय और लाला हंसराज के प्रयत्नों से ही 1 जून, 1886 को लाहौर, पाकिस्तान में डीएवी स्कूल की स्थापना हुई थी।

जन्म

पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी का जन्म 26 अप्रैल, 1864 ई. में ब्रिटिश कालीन पाकिस्तान के मुल्तान में प्रसिद्ध वीर सरदाना कुल में हुआ था। इनके पिता का नाम लाला रामकृष्ण था, जो फ़ारसी के प्रसिद्ध विद्वान् थे। गुरुदत्त जी ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा मुल्तान में पाई और फिर लाहौर आ गए। यहाँ लाला हंसराज और लाला लाजपत राय भी पढ़ रहे थे। तीनों की आपस में बहुत घनिष्ठता हो गई। गुरुदत्त को विज्ञान में रुचि थी, इसके कारण वे हर चीज को विज्ञान की कसौटी पर कस कर देखते थे। उनके इस स्वभाव के कारण उनका व्यवहार नास्तिक हो गया था। पण्डित गुरुदत्त ने विज्ञान वर्ग से एम.ए. तक की शिक्षा प्राप्त की थी। कुछ समय बाद पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी आर्य समाज के सम्पर्क में आये। समाज के उद्देश्य और ज्ञान का अध्ययन करने के बाद वे आस्तिक हो गये। 1883 में जब स्वामी दयानन्द सरस्वती बीमार थे, तो लाहौर से दो लोगों को उनकी सेवा के लिये भेजा गया, जिसमें से एक गुरुदत्त भी थे।

अत्यन्त मेधावी एवं वैरागी प्रकृति

गुरुदत्त की शिक्षा मुल्तान व लाहौर में सम्पन्न हुई थी। जन्म से ही आप अत्यन्त मेधावी थे और वैरागी प्रकृति के थे। विद्यार्थी जीवन व युवावस्था में पुस्तकों को पढ़ने में आपकी सर्वाधिक रुचि एवं लगन थी। जो भी पुस्तक हाथ में आती थी उसे आप अल्प समय में ही आद्योपान्त पढ़ डालते थे। बचपन में ही आपने उर्दू व अंग्रेज़ी के प्रसिद्ध विद्वानों के ग्रन्थों को पढ़ लिया था। उर्दू में कविता भी कर लेते थे। विज्ञान आपका प्रिय विषय था। पाश्चात्य वैज्ञानिकों की तरह ही आप नास्तिक तो नहीं परन्तु ईश्वर के अस्तित्व में संशयवादी अवश्य हो गये थे। लाहौर स्थित देश के सुप्रसिद्ध गर्वनमेंट कालेज के आप सबसे अधिक मेधावी व योग्यतम विद्यार्थी थे तथा अपनी कक्षा में सर्वप्रथम रहा करते थे। विज्ञान में एम.ए. में भी आप पूरे पंजाब में सर्वप्रथम रहे जिसमें सारा पाकिस्तान एवं दिल्ली तक भारत के अनेक भाग सम्मिलित थे। यद्यपि आप व्यायाम आदि करते थे और स्वास्थ्य का ध्यान भी रखते थे परन्तु पढ़ने का शौक ऐसा था कि इस कारण से आप असावधानी कर बैठते थे। 26 वर्ष की आयु पूरी होने से एक सप्ताह पूर्व ही आपका देहान्त हो गया था। इस कम आयु में भी आपने अनेक अविस्मरणीय कार्य किए जिससे आपको सदा याद किया जाता रहेगा।

दयानन्द सरस्वती के शिष्य

महर्षि दयानन्द के जीवनकाल 1825-1883 में देश भर के अनेक लोग उनके सम्पर्क में आये जिनमें से कई व्यक्तियों को उनका शिष्य कहा जा सकता है परन्तु सभी शिष्यों में पं. गुरूदत्त विद्यार्थी उनके अनुपम व अन्यतम शिष्य थे। आपने महर्षि दयानन्द के बाद स्वयं को उन जैसा बनाने का प्रयास किया था। वैदिक विद्याओं एवं वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार में आपकी भी वही भावना थी और वैसा ही उत्साह था जैसा कि महर्षि दयानन्द में देखने को मिलता था। इसलिए सभी मित्र और निकट सहयोगी आपको वैदिक धर्म का सच्चा विद्वान् व नेता स्वीकार करते थे। पं. गुरूदत्त विद्यार्थी को इस बात का श्रेय प्राप्त था कि उन्होंने महर्षि दयानन्द के न केवल दर्शन ही किए थे अपितु उनकी मृत्यु के दृश्य को कुछ ही दूरी से सामने से देखा था। उन दिनों आप ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संशयवादी थे। जिन शरीरिक कष्टों से महर्षि दयानन्द आक्रान्त थे और उस पर भी जिस सहजता से उन्होंने मृत्यु का संवरण किया उसे देखकर पण्डित गुरुदत्त जी दंग रह गये थे और उनका नास्तिकता मिश्रित संशयवाद तत्क्षण दूर हो गया था। इस घटना के बाद तो आपका जीवन पूरी तरह से ज्ञानार्जन, वेदों के प्रचार-प्रसार व सामाजिक कार्यों में व्यतीत हुआ। महर्षि दयानन्द के बाद उनके साक्षात शिष्यों में संस्कृत व्याकरण का कोई प्रमुख प्रथम विद्वान् हुआ तो वह आप ही थे। आपने आर्य समाज, लाहौर की सदस्यता लेकर संस्कृत का अध्ययन आरम्भ कर दिया था। आप मेधावी तो थे, इसलिये संस्कृत का आपका अध्ययन शीघ्र ही पूरा हो गया था। न केवल आपने संस्कृत पढ़ी ही अपितु उस युग में संस्कृत के सबसे बड़े समर्थक थे। यह बात तब थी जब कि आपका अंग्रेज़ी पर असाधारण अधिकार था। आज भी ग्रेजी के विद्वानों को आपके ग्रन्थों को पढ़ने के लिए अंग्रेज़ी के शब्द कोषों आदि का सहारा लेना पड़ता है। संस्कृत के प्रचार-प्रसार का कार्य महर्षि दयानन्द के बाद यदि प्रथम प्रभावशाली रूप से किसी ने किया तो वह पं. गुरुदत्त जी ने ही किया। आपने अपने घर पर ही संस्कृत श्रेणी व कक्षायें खोल रखी थी जिसमें सरकारी सेवा में कार्यरत बड़ी संख्या में लोग संस्कृत अध्ययन किया करते थे जिनमें कई उच्चाधिकारी थे। संस्कृत पर आपके असाधारण अधिकार का प्रमाण आपका ईश, माण्डूक्य व मण्डूक उपनिषदों का अंग्रेज़ी में किया गया प्रभावशाली व प्रशंसनीय भाष्य एवं अनुवाद है। यह कार्य उन दिनों सरल नहीं था और इस कोटि का भाष्य अंग्रेज़ी में किया जाना शायद् किसी के लिए भी सम्भव नहीं था। भारतीय धर्म व संस्कृति का मूल आधार वेद और वैदिक साहित्य है जो संसार में प्राचीनतम व उत्पत्ति व रचना की दृष्टि से प्रथम है। अंग्रेज़ भारत में आये तो भारतीयों को गुलाम बनाया और चाहते थे कि उनका शासन चिर स्थाई हो। उन्होंने यहां के धर्म व धर्म ग्रन्थों का अध्ययन भी किया व कराया जिससे यह निष्कर्ष निकला कि भारतीय धर्म व संस्कृति के ग्रन्थों का मिथ्यानुवाद व तिरस्कार किये बिना अंग्रेज़ों का राज्य स्थाई रूप नहीं ले सकेगा। अतः प्रो. मैक्समूलर आदि अनेक अंग्रेज़ विद्वानों ने संस्कृत का अध्ययन कर वेद और वैदिक साहित्य पर असत्य, भ्रामक, अविवेकपूर्ण व पक्षपातपूर्ण टिप्पणियां कीं।

डीएवी कॉलेज की स्थापना

दयानन्द जी के देहान्त के बाद गुरुदत्त ने उनकी स्मृति में दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज की स्थापना का प्रस्ताव रखा। इसका उपस्थित सभी लोगों ने समर्थन किया और उसी समय आठ हज़ार रुपये एकत्र भी हो गये। इस विद्यालय के कार्य के लिये गुरुदत्त ने देश के कई भागों में सभाएं कीं और वैदिक ज्ञान के साथ अंग्रेज़ी के ज्ञान की महत्ता भी बताई। उनके इस काम में लाला लाजपत राय भी शामिल हो गये। लाजपत राय के जोशीले भाषण, गुरुदत्त की अपील और लाला हंसराज के प्रयत्नों से तीन साल में 20 हज़ार नक़द और 44 हज़ार रुपये के आश्वासन उन्हें मिले। अन्त में 1 जून, 1886 को लाहौर में डीएवी स्कूल की स्थापना हो गई। लाला हंसराज इस विद्यालय के प्रथम प्राचार्य नियुक्त हुए।

लोकप्रिय वक्ता व उपदेशक

मृत्यु हो जाने के कारण बहुत से उनके ग्रन्थों को सुरक्षित नहीं रखा जा सका जो कि विद्वानों व अध्येताओं के लिए एक बहुत बड़ी हानि है। पण्डित जी का जीवन बहुआयामी जीवन था। उन पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। वह लोकप्रिय वक्ता व उपदेशक थे। जनता उनके विचारों को ध्यान से सुनती थी और उनकी बातों का पालन करती थी। वह ऐसे वक्ता थे जिनकी कथनी व करनी एक थी। वह अपने जीवन का एक-एक क्षण वैदिक धर्म, संस्कृति के उत्थान व संवृद्धि के लिए व्यतीत करते थे। उनके कार्यों का उद्देश्य वैदिक धर्म का अभ्युदय, सामाजिक सुधार व देश सुधार, अविद्या का नाश व विद्या की वृद्धि, लोगों को ज्ञानी बनाकर देश व विश्व से सभी प्रकार के अज्ञान व अन्धविश्वासों को दूर करना आदि था। वह अपने समय के सबसे कम आयु के अजेय धार्मिक योद्धा थे।

शेयर बाजार में क्यों आई भारी गिरावट, क्या है इसका कारण?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हफ्ते की शुरुआती तीन दिन शेयर बाजार में अच्छी खासी खरीदारी हुई है। वहीं 9 अप्रैल से 23 अप्रैल के बीच भी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 6200 अंक उछला है।

हालांकि कल से ही बाजार में बिकवाली का माहौल बनता नजर आ रहा है। कल यानी 24 अप्रैल को बीएसई सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा गिरकर 79,801 पर बंद हुआ था। इसके साथ ही एनएसई निफ्टी में लगभग 100 अंक गिरकर 24,246 पर क्लोज हुआ था।

इसके साथ ही कल निफ्टी में सबसे ज्यादा ऋद्बइद्यह्व4 सेक्टर कमजोर रहा था। लेकिन आज मीडिया सेक्टर सबसे कमजोर दिखाई दे रहा है। लेकिन लगातार खरीदारी के बाद बाजार में गिरावट देखने को क्यों मिल रही है।

शेयर बाजार में क्यों हो रही है गिरावट?

मार्च तिमाही नतीजे- कल 24 अप्रैल को कई बड़ी कंपनियों के मार्च-तिमाही नतीजे जारी हुए हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, ह्वद्बह्यह्लद्ब जैसी बड़ी कंपनियां शामिल थी। इन कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर नहीं रहे हैं। जिसकी वजह से भी आज बिकवाली देखी जा रही है।

बढ़ोतरी भी हो सकता है कारण?

शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से खरीदारी का माहौल बना हुआ था। जिसकी वजह से आज निवेशक शेयरों को बेच रहे हैं। यही कारण है कि बाजार में लगातार बिकवाली जारी है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहा विवाद- 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। वहीं भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त फैसले लिए हैं। इन टकराव से जाहिर है कि विदेशी निवेशक घबराए हुए हैं।

जिसकी वजह से भी बाजार में भारी बिकवाली देखी जा रही है।

अनुमानित विकास दर घटा- साउथ एशिया डेवलपमेंट रिपोर्ट Taxing Times में वित्त वर्ष 2024-25 का ग्रोथ रेट 6.5 फीसदी माना गया था। वहीं इस वित्त वर्ष पहले ये ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी माना गया था। जिसे अब रिपोर्ट में घटा दिया गया है।

5 साल में पहली बार घाटा, लुढ़क गए मोतीलाल के शेयर, 3 बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज को जनवरी-मार्च तिमाही में घाटा हुआ है। पांच साल में पहली बार कंपनी को नेट लॉस हुआ है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल को इससे पहले वित्त वर्ष 2020 की जनवरी-मार्च तिमाही में घाटा हुआ था। ब्रोकरेज फर्म के शेयर शुक्रवार को BSE में 8 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 694.25 रुपये पर बंद हुए हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल ने पिछले साल अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दिया था। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज को फेयर वैल्यू चेंजेज में गिरावट की वजह से नेट लॉस हुआ है। मार्च 2025 तिमाही में फेयर वैल्यू चेंज पर नेट लॉस 430 करोड़ रुपये रहा। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 424 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। नेट बेसिस पर मोतीलाल ओसवाल को 65 करोड़ रुपये का लॉस हुआ है। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 723 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का रेवेन्यू 45% घाटा है। तिमाही के दौरान मोतीलाल ओसवाल का वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस सालाना आधार पर 7% बढ़ा है, जबकि एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 2.64 लाख करोड़ रुपये रहा है।

आईटीआर फाइलिंग की क्या हो सकती है डेडलाइन? क्या अभी तक हुआ है कोई एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटीआर फाइलिंग से जुड़े फॉर्म आने वाले कुछ दिनों में शुरू हो सकते हैं। जिसे आप इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट में देख सकते हैं। आईटीआर फाइलिंग के बाद आपको रिफंड 20 से 30 दिनों के भीतर मिल जाता है।

हालांकि इसे लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी उपलब्ध नहीं है।

कब शुरू होगी आईटीआर फाइलिंग- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अपना ऑनलाइन पोर्टल सभी टैक्सपेयर्स के लिए जल्द शुरू कर सकता है। इसे लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है। ये अनुमान पिछले तारीख को देखते हुए लगाया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से आईटीआर फाइल के लिए अप्रैल से ही पोर्टल शुरू किया गया था।

आईटीआर फाइलिंग की लास्ट डेट क्या रहेगी- पिछले साल बिना किसी शुल्क या चार्ज के आईटीआर फाइल करने की लास्ट डेट 31 जुलाई रखी गई थी। 31 जुलाई से पहले सभी टैक्सपेयर्स बिना किसी शुल्क के इनकम टैक्स फाइल कर पाएंगे।

पिछले कुछ सालों से आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई रही है। वहीं शुल्क और चार्ज के साथ आईटीआर फाइल करने के आखिरी तारीख 31 दिसंबर तय की गई है।

ऐसा माना जा रहा है कि इस साल भी आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई रहने वाली है।कब मिलता है इनकम टैक्स रिफंड?

आमतौर पर आईटीआर फाइल करने के बाद 7 से 20 दिन के भीतर इनकम टैक्स रिफंड आ जाता है।

ओल्ड टैक्स रिजीम या नई टैक्स रिजीम क्या बेहतर है- टैक्सपेयर्स के पास आईटीआर फाइल करने के दो ऑप्शन उपलब्ध है। इनमें ओल्ड टैक्स रिजीम और नई टैक्स रिजीम शामिल हैं। इन दोनों में से क्या बेहतर है, ये आपकी मौजूदा स्थिति पर निर्भर करता है।

एनपीएस खाताधारकों के लिए देश छोड़ने को लेकर नए नियम का एलान, क्या होगा बदलाव?

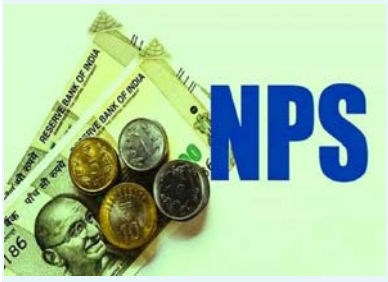

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम पहले खास तौर पर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए शुरू की गई थी। लेकिन बाद में इसे पब्लिक के लिए भी शुरू कर दिया गया है। एनपीएस स्कीम के तहत व्यक्ति रिटायर होने के बाद अच्छी खासी स्कीम हासिल कर सकता है।

जिससे उसकी रिटायरमेंट लाइफ आसानी से बीत सकती है। इसी कड़ी में अगर एनपीएस खाताधारक या एनपीएस लाभार्थी भारत की नागरिकता छोड़ना चाहता है। तो उसे पीएफआरडीए द्वारा एलान किए गए नए नियम का पालन करना होगा। पीएफआरडीए ने हाल ही में एनपीएस खाताधारक के लिए नियमों में बदलाव किया है।

क्या हुआ है नियमों में बदलाव- पीएफआरडीए की नई गाइडलाइन के अनुसार अब ऐसे एनपीएस खाताधारक जो देश की नागरिकता छोड़ना चाहते हैं। इसके साथ ही उनके पास ओसीआई कार्ड उपलब्ध ना हो। ऐसे खाताधारकों को अब नागरिकता छोड़ने पर एनपीएस ट्रस्ट को सूचित करना होगा। इसके साथ ही उन्हें स्टेटस चेंज से संबंधित दस्तावेज भी सबमिट करने पड़ेंगे।

इसके साथ ही उनका पीआरएएन या एपीएस खाता रद्द कर दिया जाएगा।

रिटायरमेंट के लिए कर रहे हैं बचत? इस फॉर्मूला से समझें कितना होना चाहिए फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिटायर होने के बाद आपको पैसों के लिए किसी पर निर्भर ना होना पड़े। इसके लिए बेहतर है कि आप पहले से ही सेविंग करना शुरू कर दें। ताकि रिटायर होने के बाद भी आपके पास इनकम आती रहे।

लेकिन कन्फ्यूजन ये रहती है कि रिटायरमेंट के लिए कितना फंड तैयार करना चाहिए। चलिए इसे एक फॉर्मूला की मदद से समझते हैं।

क्या है रिटायरमेंट फंड से जुड़ा फॉर्मूला- रिटायरमेंट फंड अमाउंट समझने के लिए आप ×30 का फॉर्मूला अपना सकते हैं। वहीं जो भी अमाउंट आए, उसे अलग-अलग स्कीम में निवेश कर जुटा सकते हैं।

कैसे करें फॉर्मूला का इस्तेमाल- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक आपको साल में हुए कुल खर्चे को 30 से गुणा करना होगा। जिसके बाद जो अमाउंट आएगा, उतना ही अमाउंट आपका रिटायरमेंट फंड होना चाहिए।

मान लीजिए अगर किसी व्यक्ति का महीने में खर्च 30 हजार रुपये रहता है। जिसका मतलब हुआ कि एक साल का खर्च 3,60,000 रुपये रहेगा। फिर इस 3,60,000 रुपये के अमाउंट को 12 से गुणा करना होगा। जिसका मतलब हुआ कि आपको रिटायरमेंट के लिए 10,800,000 रुपये जुटाने होंगे।

कैसे जुटाएं रिटायरमेंट के लिए फंड- आप रिटायरमेंट फंड जुटाने के लिए एसआईपी का चयन कर सकते हैं। एसआईपी में जितना लंबे समय के लिए निवेश किया जाता है, मिलने वाला रिटर्न उतना ही ज्यादा होता है। इसलिए जितना जल्दी हो सके, आप रिटायरमेंट फंड के लिए निवेश करना शुरू कर दें।

1 करोड़ का कैसा बनेगा फंड

कैलकुलेशन- अगर कोई निवेशक एसआईपी में हर महीने 12 हजार रुपये निवेश करें, तो 12 फीसदी के हिसाब से आपको 20 सालों में 1,10,38,288 रुपये मिल जाएंगे। हालांकि ये रिटर्न शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

वहीं इन पैसों को आप एसडब्लूपी में निवेश कर अच्छी खासी इनकम कमा सकते हैं। एसडब्लूपी भी एसआईपी की तरह म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक जरिया है।

पाकिस्तान स्टॉक मार्केट में ताबाही, 2000 अंक से ज्यादा गिरा पाकिस्तान KSE

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल के दिन पहलगाम आतंकी हमले से पूरा देश में गुस्से में है। वहीं भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कुछ सख्त एक्शन लिया है। इस आतंकी हमले के दौरान 28 लोगों की मौत हुई है। वहीं ऐसा कई सालों बाद पर्यटकों पर आतंकी हमला किया गया है।

लोगों का गुस्सा इसलिए भी ज्यादा भड़का हुआ है कि नाम पूछकर लोगों की जान ली गई है। इन्हीं सब खबरों का असर अब पाकिस्तान के स्टॉक मार्केट में भी देखने को मिला है। जब से ये हादसा हुआ है, तब से ही पाकिस्तान शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई है।

आज कितना गिरा पाकिस्तान शेयर बाजार- मीडिया रिपोर्ट की माने तो पाकिस्तान शेयर बाजार में आज तबाही आई है। इसका कारण भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसले और विदेशी निवेशकों को डर दोनों हो सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

शिवपुरी के पिछोर में लोग बोले- फाइटर प्लेन से गिरी वस्तु से मकान के दो कमरे गिरे, 8 फीट गहरा गड्ढा हुआ

शिवपुरी/पिछोर। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर में एक शिक्षक के घर पर आसमान से गिरी कोई वस्तु की वजह से दो कमरे ध्वस्त होने और आठ फीट गहरा गड्ढा होने की खबर सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वस्तु एक फाइटर जेट से गिरी थी, जिसकी वजह से मकान क्षतिग्रस्त हुआ है। पुलिस ने मकान को सील कर जांच शुरू कर दी है।

जिस इलाके में यह हादसा हुआ है, वहां फाइटर प्लेन ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरते हैं। इस मामले में अभी एयरफोर्स की ओर से कोई सूचना नहीं आई है। कलेक्टर के अनुसार लोगों ने फाइटर प्लेन ही देखा था उसी आधार पर कह रहे हैं।पिछोर थाना इलाके के ठाकुर बाबा कॉलोनी में रहने वाले एक शिक्षक के घर पर शुक्रवार की सुबह 11 बजे कोई वस्तु गिरी। इससे मकान के दो कमरे ध्वस्त हो गए हैं। जानकारी के अनुसार शिक्षक मनोज सगर अपने दोनों बच्चों के साथ घर में बैठकर खाना खा रहे थे।

इसी दौरान घर की छत पर से किसी विमान के गुजरने की आवाज आई और ऐसा लगा कि उनके घर पर कुछ गिरा है। इसके बाद घर के दो कमरे गिर गए और जमीन के अंदर 8 फीट गहरा गड्ढा भी हो गया।

फिलहाल पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर रही है कि यह फाइटर प्लेन से गिरा बम था या कोई अन्य वस्तु। हालांकि घटना का सुखद पहलू यह रहा कि घर के अंदर मौजूद किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने मकान को सील कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एयरफोर्स की टीम घटनास्थल पर पहुंचेगी, तभी साफ होगा ये क्या था पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के मुताबिक स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 11 बजे आसमान में फाइटर प्लेन की आवाज सुनी, ऊपर प्लेन देखा भी है। उससे कोई तीन साढ़े तीन फीट की वस्तु नीचे गिरी है। नीचे आने के बाद गड्ढा हो गया और वह चीज भी टुकड़ों में बंट गई। अब करीब डेढ़ घंटे में एयरफोर्स की टीम घटनास्थल पर पहुंचेगी, वहीं बता पाएंगे कि ये क्या था।प्लेन से गिरने वाली वस्तु क्या है

मकान पर फाइटर प्लेन से कोई पार्टिकल गिरा है, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वस्तु क्या है। हम मामले की जांच कर रहे हैं, जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह पूरा क्या मामला है।

- प्रशांत शर्मा, एसडीओपी पिछोर

देवास में इंदौर-बैतूल हाईवे पर बस की टक्कर से किसान की मौत, लोगों ने जमकर किया प्रदर्शन

देवास। सड़क हादसों के लिहाज से डेंजर जोन में शामिल इंदौर-बैतूल हाईवे पर दुलवा फाटा क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बस ने बाइक से जा रहे किसान को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई और आक्रोशित लोगों ने रास्ता जाम कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस के अधिकारी बल सहित मौके पर पहुंचे और समझाइश देकर आवागमन सुचारु करवाया गया।रास्ते में हादसे का शिकार हो गए जानकारी के अनुसार ग्राम मालसगोदा के निवासी किसान मांगीलाल माल्या हरदा जिले के बिछोला गांव में किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। मामले में नेमावर पुलिस ने मर्ग सहित अन्य धाराओं में बस चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करके जांच शुरू की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस हरदा से इंदौर की ओर जा रही थी। रास्ता जाम करने के दौरान लोगों ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि हाईवे पर तेज गति से चलने वाले वाहनों पर किसी प्रकार का अंकुश नहीं लग रहा है ना तो कोई जांच हो रही है, ना ही किसी प्रकार की कार्रवाई।

यातायात विभाग, परिवहन विभाग या पुलिस वाहनों की जांच नहीं की जा रही है। ऐसे में सड़क हादसों में कई लोगों की जान जा रही है।

पहलगाम आतंकी हमले ने बताया आतंकवाद का धर्म... शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- हिंदू करें शस्त्र पूजा

ग्वालियर। उत्तराखंड के जोशीमठ स्थित ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पहलगाम आतंकी हमले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को ग्वालियर में अल्प प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस हमले ने साबित कर दिया कि आतंकवाद का धर्म इस्लाम है।

उन्होंने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निर्दोषों की हत्या की। उन्होंने पाकिस्तान की संलिप्तता पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही तय करने और हिंदुओं को शास्त्र के साथ शस्त्र प्रशिक्षण लेने की वकालत की।पाकिस्तान से युद्ध की हो घोषणा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि पहलगाम हमले में आतंकियों ने धर्म के आधार पर हत्याएं कीं, जो आतंकवाद के धार्मिक चरित्र को उजागर करता है। उन्होंने मांग की कि इस घटना की जवाबदेही तय हो, जिससे यह स्पष्ट हो कि किसकी चूक से यह हमला हुआ। पाकिस्तान की भूमिका सिद्ध होती है, तो भारत को युद्ध की घोषणा कर देनी चाहिए। कश्मीरियत बरकरार पहलगाम हमले में एक मुस्लिम गाइड ने पर्यटकों की जान बचाने के लिए बलिदान देने का जिक्र करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि कश्मीरियत अभी जिंदा है, लेकिन जम्हूरियत कहीं नजर नहीं आती।

सात लाख अधिकारियों-कर्मचारियों की ऑनलाइन कुंडली तैयार करेगी एमपी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के सात लाख अधिकारियों-कर्मचारियों की पूरी कुंडली सरकार तैयार करने जा रही है। इसमें कर्मचारी का पूरा ब्योरा रहेगा यानी सेवा में आने से लेकर सेवानिवृत्ति तक की समस्त जानकारियां ऑनलाइन रहेंगे।

इसका लाभ यह होगा कि फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी। जिस व्यक्ति ने राज्य लोक सेवा आयोग या फिर कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से भर्ती परीक्षा दी है, वही नौकरी कर पाएगा। उसके बायोमैट्रिक्स के आधार पर सत्यापन होगा। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम तैयार किया है।पूरी कुंडली अभी सेवा पुस्तिका में रहती है

कर्मचारियों की पूरी कुंडली अभी सेवा पुस्तिका में रहती है, जिसे मूल विभाग संधारित करता है। इसमें समय-समय पर होने वाली वेतनवृद्धि, पदोन्नति, गोपनीय चरित्रावली के आधार पर मिलने वाली श्रेणी, विभागीय जांच, आरोप पत्र की स्थिति, कब-कहां पदस्थ रहे, वेतनमान, छुट्टी सहित सभी विवरण रहता है। बार-बार यह शिकायत मिलती है कि इन्हें अद्यतन नहीं किया जा रहा है।कर्मचारियों को इसकी प्रति नहीं मिलती

कई कर्मचारियों को इसकी प्रति तक नहीं मिलती है। इसके अभाव में पेंशन के निर्धारण में भी परेशानी आती है। कई बार ऐसे मामले भी सामने आते हैं कि अधिकारी या कर्मचारी को आरोप पत्र जारी किए गए हैं, पर इसका कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं होता। इन सब स्थितियों को देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम तैयार किया है।

सभी तरह की जानकारी ऑनलाइन रहेगी-इसमें कर्मचारियों की सभी तरह की जानकारियां ऑनलाइन रहेंगी। यदि किसी को कोई आरोप पत्र जारी करना है तो वो भी सिस्टम के माध्यम से ही होगा। इसके बाहर दिया गया नोटिस मान्य ही नहीं किया जाएगा। साथ ही जिस दिन कर्मचारी ज्वाइन करेगा, उस समय उसके द्वारा भर्ती एजेंसी को दिए गए आधार, फोटो, फिंगर प्रिंट और आइरिश ही मान्य किया जाएगा।

इसका लाभ यह होगा कि जिस व्यक्ति ने परीक्षा दी, वही नौकरी भी करेगा। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें सामने आईं थीं कि परीक्षा किसी ने दी और नौकरी कोई और कर रहा था। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने बताया कि हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है। जल्द ही अधिकारियों-कर्मचारियों की कुंडली सबके सामने होगी।अनुकंपा नियुक्ति के लिए जाएगा एसएमएस

इस व्यवस्था में यह प्रविधान भी किया गया है कि सेवा में रहते अधिकारी-कर्मचारी का निधन होने पर उसके द्वारा पूर्व से नामित आश्रित को एसएमएस जाएगा।

चूंकि, उसकी पूरी कुंडली सरकार के पास पहले से रहेगी, इसलिए इसमें कोई परेशानी भी नहीं आएगी। पात्रता के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति जल्द मिल जाएगी। अभी इसमें काफी विलंब होता है।

पहलगाम आतंकी हमले पर भड़काऊ पोस्ट डालने वाला मोहम्मद ओसाफ गिरफ्तार

जबलपुर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत की गई थी कि उक्त आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर भावनाओं को भड़काने वाला कमेंट्स किया गया है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार आतंकी हमले की घटना की पूरे देश में निंदा की जा रही है।इस घटना के बाद एसपी के निर्देश पर सोशल मीडिया पर होने वाले पोस्ट व कमेंट्स की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी दौरान 23 अप्रैल को फेसबुक पर मो. ओसाफ द्वारा कमेंट्स किया गया था।इस कमेंट्स को लेकर हनुमानताल सिंधी कैंप निवासी अभय श्रीवास्तव की शिकायत पर पुलिस ने मक्का नगर आनंद नगर निवासी मो. ओसाफ के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सीएसपी गोहलपुर सुनील नेमा ने कहा कि आरोपित को जेल भेज दिया गया है। वह पेशे से नेत्र देखभाल में विशेषज्ञ का कार्य करता है।ये लिखा आरोपी ने

सोशल मीडिया में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दौरान एक महिला हमले में मारे पति के शव के करीब गमगीन बैठी है जिसको लेकर आरोपित ने ये कमेंट किया।-

'जो औरत लाश के पास खड़े होकर रो रही है, उसकी जांच होनी चाहिए। हो सकता है, उसने ही शूटर को हायर किया हो और मौका मिलते ही अपने पति को मरवा दिया हो।'प्रदेश भर में सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर, जिलों को किया गया अलर्ट जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा नरसंहार की घटना के बाद मध्य प्रदेश पुलिस को बहुत सतर्क रहने के लिए कहा है। पुलिस मुख्यालय ने सभी एडीजी, जोन आईजी, डीआईजी, पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किया है।

बेहतर पर्यावरण के लिये जिला स्तरीय योजना बनायी जाये :- श्री रणदा

इंदौर। संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा की अध्यक्षता में एआईसीटीएसएल सभागृह में आज जिला पर्यावरण नियोजन में जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास को समाहित करने संबंधी संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) तथा द क्लाईमेट ग्रुप द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यशाला में इंदौर सहित खंडवा, बुरहानपुर, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, खरगोन, बड़वानी जिलों के राजस्व विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग, लोक यांत्रिकी विभाग, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा उद्यानिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं शहरी प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री रणदा ने कहा कि पृथ्वी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसका प्रभाव मनुष्यों और पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। वर्ष 2015 में आयोजित पेरिस सम्मेलन में कहा गया कि पृथ्वी तेजी से गर्म हो रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इसका जिम्मेदार कहीं न कहीं हमारा समाज ही है, क्योंकि मनुष्य प्रकृति का दोहन करने की बजाय उसका शोषण अधिक कर रहा है। इस वजह से वर्षा का चक्र बदल चुका है। हवा, पानी और मिट्टी तीनों प्रदूषित हो चुकी है। कार्बन का अधिक उत्सर्जन हो रहा है। वातावरण में आये इस परिवर्तन को ही जलवायु परिवर्तन कहा गया है। अगर हम अब भी नहीं चेते तो, आने वाली पीढ़ी कभी भी हमें माफ नहीं करेंगी। श्री रणदा ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने जिले का पर्यावरण प्लान बनायें, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, जल गुणवत्ता प्रबंधन योजना, घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन योजना, औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन योजना, वायु सूचकांक प्रबंधन योजना, ध्वनि प्रदूषण प्रबंधन योजना आदि विषय हों।

क्लाईमेट ग्रुप दिल्ली की विषय विशेषज्ञ सुश्री शिखा धवन ने पावरपाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से हो रहे दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए कहा कि बढ़ती आबादी, जंगलों का कटाव, नरवाई के जलाने, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और बढ़ते वाहनों की संख्या से प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। एप्को के विषय विशेषज्ञ श्री रवि शाह ने कहा कि बेहतर पर्यावरण के लिए सभी विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं, लेकिन कौन क्या कर रहा है, इसको लेकर ही यह कार्यशाला आयोजित की गई। ताकि हम अपने विचार एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में रामसर साईट के तहत पाँच वैटलेंड भूमि है, जो कार्बन को अवशोषित करने का कार्य कर रही है। इसलिए हमें छोटी-छोटी जल संरचनाओं को संरक्षित करना जरूरी है।

विषय विशेषज्ञ श्री वैभव कुमार ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अविनाश करेरा ने कहा कि घरेलू कचरे को छांटना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन इस कार्य को इंदौर नगर निगम बहुत अच्छे से कर रहा है, इसके लिए वह बधाई के पात्र है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हुआ जल संवाद कार्यक्रम

इंदौर। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ने लग गये है। शहर हो या गांव सभी जगह जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे है। साथ ही गाँव-गाँव जल संवाद सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में गत दिवस देपालपुर विकास खंड के ग्राम बेगन्दा और आरोदाकोट में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बेगन्दा धर्मशाला परिसर में जल संवाद का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारतसिंह पटेल, जनपद सदस्य श्री बाबूलाल पटेल, महिला बाल विकास समिति जनपद देपालपुर के अध्यक्ष श्री राहुल तंवर, सरपंच श्री सुभाष पटेल, इंजीनियर गुंजन अरोरा, श्री ओमप्रकाश जाटव उपस्थित थे।

विकासखण्ड समन्वयक श्री सुरेशचंद्र यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि देपालपुर विकासखण्ड के विभिन्न ग्राम में जल जागरूकता के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष भारतसिंह पटेल ने कहा कि हमारे ग्रामों में स्थित तालाबों की जल ग्रहण क्षमता बढ़ाना होगी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद द्वारा गाँव-गाँव जाकर लोगों को जल के महत्व तथा जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

संघर्ष, सब्र और संगीत से सजी सफलता की कहानी

इंदौर। जब कुछ करने की ठान ली जाए, तो रास्ते खुद-ब-खुद बनते हैं। इंदौर की दिव्यांशी पांडे ने इसे साबित कर दिखाया है। यूपीएससी 2024 की फाइनल लिस्ट में उनका नाम 571वीं रैंक के साथ शामिल हुआ।

सुदामा नगर की रहने वाली दिव्यांशी एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। पिता मंदिरों में भगवान हनुमानजी का श्रृंगार करते हैं, मां गृहिणी हैं। साधारण परिवार की होकर भी देश सेवा के बड़े सपने थे। तीन बार प्रीलिम्स में असफल होने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। सब्र रखा, संघर्ष किया। इंदौर में रहकर पढ़ाई की, बीच में दिल्ली भी गईं। चौथे प्रयास में उनकी मेहनत रंग लाई।

कलेक्टर श्री सिंह ने बुलाकर किया सम्मानित- इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने दिव्यांशी को सपरिवार बुलाकर मिठाई खिलाई, गुलदस्ता भेंट किया और कहा - दिव्यांशी ने इंदौर का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से और भी युवा प्रेरित होंगे।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने दिए स्पष्ट निर्देश– जल संकट से निपटने जिला स्तर पर बने ठोस कार्ययोजना

इंदौर। जिला पंचायत इंदौर की साधारण सभा की बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित जल संकट को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को ठोस कार्ययोजना तैयार करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में किसी भी गांव को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, महू विधायक सुश्री उषा ठाकुर, देपालपुर विधायक श्री मनोज पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भरत पटेल, समस्त जिला पंचायत सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय तिवारी सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए निर्दोष नागरिकों की हत्या पर दो मिनट के मौन के साथ हुई। इसके बाद मंत्री श्री सिलावट ने सभी जनप्रतिनिधियों को पंचायत राज दिवस पर ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

जल गंगा संवर्धन अभियान पर विशेष ज़ोर- बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। मंत्री श्री सिलावट ने सभी जनप्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

मई माह में होगा मांगलिया के आयुष हॉस्पिटल का लोकार्पण

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से शीघ्र ही संभाग के सबसे बड़े आयुष अस्पताल की सौगात इंदौर को अगले माह मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार की उपस्थिति में अस्पताल का लोकार्पण होगा।

इंदौर के विधानसभा क्षेत्र सांवेर अंतर्गत मांगलिया में 50 बिस्तरीय आयुष अस्पताल का निर्माण पूर्ण होने के उपरांत अस्पताल के संचालन में लगने वाले मानव संसाधन (स्टाफ) एवं लगभग 10 करोड़ 26 लाख रुपये की राशि से अस्पताल में रेम्प, रिटेंनिग वॉल, उपकरण, हर्वल गार्डन, फायर फाइटिंग सिस्टम, फर्नीचर, फायर टेंक निर्माण एवं अन्य कार्यों की स्वीकृति हेतु क्षेत्र के विधायक एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा आयुष एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार से गत दिवस भेंट की तथा उपरोक्त समस्त कार्यों के निर्माण हेतु राशि स्वीकृति करने का अनुरोध किया। ज्ञात हो की उक्त निर्माणाधीन अस्पताल आयुष विभाग का इंदौर संभाग का सबसे बडा एवं सर्वसुविधायुक्त अस्पताल होगा। यह 50 बिस्तरों वाले इस शासकीय आयुष (आयुर्वेद) चिकित्सालय की लागत लगभग 6 करोड़ रुपये है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने विगत दिनों मांगलिया पहुंचकर निर्मित भवन का निरीक्षण किया था।

सैनिकों के कल्याणानार्थ सहयोग देने वाले इंदौर के चार दानदाताओं का राज्यपाल श्री पटेल ने किया सम्मान

इंदौर। राज भवन भोपाल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इंदौर के चार दानदाताओं का सम्मान किया है। यह सम्मान उन्हें सशस्त्र सेना झण्डा निधि 2023-24 में सैनिकों के कल्याणानार्थ एक-एक लाख रुपये से अधिक की सहयोग निधि देने पर दिया गया है। सम्मान सर्वरूप प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। यह सम्मान पटेल मोटर्स इंदौर के श्री वल्लभ भाई पटेल, श्रीमती निर्मला विद्याप्रसाद वर्मा, श्रीमती रीता मित्रा एवं मध्यप्रदेश विक्रय कर तृतीय वर्ग गृह निर्माण सहकारी संस्था इंदौर के सचिव श्री प्रकाश चंद्र पुरोहित को प्राप्त हुआ है। श्रीमती निर्मला वर्मा के स्थान पर उनके पुत्र एवं पुत्रवधू ने प्राप्त किया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर नगेश चंद्र मालवीय(सेवानिवृत) ने बताया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस अवसर पर सैनिकों के कल्याण हेतु सहयोग राशि एकत्र की जाती है। पिछले कई वर्षों से सहयोग राशि एकत्र करने में इंदौर की अहम भूमिका रही है। सशस्त्र सेना झण्डा निधि में एक लाख रुपये से अधिक की धनराशि का योगदान देने पर आगामी वर्ष राज भवन में आयोजित होने वाले समारोह में राज्यपाल द्वारा संस्था को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है। सशस्त्र सेना झण्डा निधि में प्राप्त धनराशि का उपयोग भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिये किया जाता हैं।

मंथन 2025' का हुआ भव्य शुभारंभः प्रेस्टीज संस्थान बना रचनात्मकता, संस्कृति, युवा ऊर्जा का संगम

इंदौर। मध्य भारत के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज सांस्कृतिक महोत्सव 'मंथन 2025' का भव्य आगाज़ आज प्रेस्टीज प्रबंध संस्थान, इंदौर में हुआ। पहले ही दिन छात्रों ने नृत्य, संगीत, फैशन शो और प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। 'परिधान' फैशन शो में भारतीय और पाश्चात्य परिधानों की शानदार झलक देखने को मिली, तो समकालीन नृत्य प्रस्तुतियों ने आधुनिकता का रंग बिखेरा।

मुख्य अतिथि और 93.5 रेड एफएम की लोकप्रिय आरजे पियूषा भार्गव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों से आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। संस्थान के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. एस. भाकर ने इसे केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और सामाजिक समावेशिता को उभारने वाला मंच बताया। मंथन 2025 के प्रमुख डॉ. प्रयत्न जैन ने जानकारी दी कि इस वर्ष की थीम है 'इकोज ऑफ इंडिया- सेलिब्रेटिंग यूनिटी इन डाइवर्सिटी', जो भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता को समर्पित है।

शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम क्रमांक-2 की छात्राओं ने स्वनिर्मित उत्पादों की लगायी प्रदर्शनी

इंदौर। शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 की छात्राओं ने तेजस्विनी योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण लेकर स्वनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाकर वस्तुओं का विक्रय भी किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि विद्यालय में इस योजना के अंतर्गत दो सौ छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शासन द्वारा प्रशिक्षणरत छात्राओं को वस्तुओं के निर्माण के लिये प्रतिवर्ष दो हजार रुपये की राशि प्रति छात्रा प्रदान की जाती है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम की सेवाओं से 15 हजार से अधिक पंचक्रोशी यात्री हुए लाभान्वित

उज्जैन। 118 किलोमीटर की पंचक्रोशी यात्रा पर निकले पंचक्रोशी यात्रियों हेतु 'अंकित ग्राम', सदुरू धाम सेवाधाम आश्रम पंचक्रोशी पड़ाव स्थल पर सदुरू दर्शन, भव्य सुसज्जित बिस्तरयुक्त पण्डाल, सदुरू प्रसादम्-फरियाली खिचड़ी, चाय, नमकीन परमल, पानी की प्याऊ, उर्जा पेय, गुरूजी ठण्डाई, आनन्द स्टाल-कपड़ो का आनन्द, सदुरू चिकित्सालय एवं एम्बूलैंस सुविधा, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या, दिव्यांगों हेतु व्हीलचेयर, बुजुर्गों, दिव्यांगों के आराम हेतु पलंग-बिस्तर की सुविधा एवं मोबाईल चार्जिंग आदि से सम्बन्धित विविध सेवा कार्य किये गये, अनवरत चले इन सेवा कार्यो से 15 हजार की संख्या में धर्मालुजन लाभान्वित हुए।

आश्रम संस्थापक सुधीर भाई, श्रीमती कांता भाभी एवं राजकुमार अग्रवाल जलगांव के नेतृत्व में वनवासी कल्याण परिषद उज्जैन के जिलाध्यक्ष ईश्वर पटेल, महानगर संघचालक योगेश भार्गव, बहादुर सिंह बोरमुण्डला पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष ग्रामीण, जिला पंचायत अध्यक्ष अन्तर सिंह देवड़ा, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह सौलंकी, गोवर्धन सिंह डोडिया पूर्व जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा ग्रामीण, आदि गणमान्जनों ने खिचड़ी वितरण किया। आश्रम के बच्चों, युवाओं एवं बजुर्गों सहित इन्दौर से सर्वश्री निर्मल गोयल, सीए अभिषेक गोयल, श्रीमती वर्षा गोयल, प्रवेश सिंघल, मोनिका दीदी, गौरी दीदी, श्रीमती कीर्ति अग्रवाल, जलगांव, प्रकाश पाटीदार आदि ने पंचक्रोशी की सेवा में सहभागिता की। आश्रम के पड़ाव स्थल का निरीक्षण अधिकारियों द्वारा भी किया गया।

सुधीर भाई ने बताया कि उज्जैन नगर में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली पंचक्रोशी यात्रा में आश्रम के समक्ष स्थित श्री बिल्वकेश्वर मंदिर स्थित पड़ाव और सेवाधाम आश्रम पड़ाव स्थल पर 23 अप्रैल से लगातार हज़ारों यात्रियों के आने-जाने का सिलसिला चलता रहा, हजारों की संख्या में यात्री पड़ाव स्थल पर पहुँचे। रात्रि में दो बजे पड़ाव स्थल पर पैर रखने की भी जगह नही बची थी, जिसे जहां स्थान मिला वह वहीं विश्राम करने लगा। आश्रम की युवा टीम में आकाश, सुमित, शाहरूख, देवा, रोहित, टीटू, अशोक, कपिल, मयंक, आदर्श केसरी, रोशन, गोरीशंकर कान्हा, वंश आदि ने सहयोग किया।

सादगी, सरलता और ईमानदारी की मिसाल थे राही-भारती

जनकवि मान सिंह राही की 42वीं पुण्यतिथि मनाई

उज्जैन। लोकप्रिय जनकवि, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं प्रखर पत्रकार मान सिंह राही की 42वीं पुण्यतिथि पत्रकार कॉलोनी स्थित मान सिंह राही उद्यान में मनाई गई। इस अवसर पर व्याख्यानमाला और काव्य संध्या का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने कहा कि राही, सादगी, सरलता और ईमानदारी के पर्याय थे। उन्होंने जीवन के मूल्यों और आदर्श के साथ कभी समझौता नहीं किया। वे उस दौर में दबंग पत्रकारिता के लिए पहचाने जाते थे। हमें उनका सानिध्य मिला। सारस्वत अतिथि विक्रम विवि के सीनेट मेंबर राजेश सिंह कुशवाह ने कहा कि राही निर्भीक पत्रकारिता की मिसाल थे। वे जितने अच्छे पत्रकार थे उतने ही सच्चे कवि भी थे। मजदूर आंदोलन में वे अग्रणी भूमिका में रहे। उन्होंने अर्थ को अनर्थ कहा और इसका पालन भी किया।प्रेस क्लब अध्यक्ष विशाल सिंह हाड़ा ने कहा कि नई पीढ़ी को उनके पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है। एडवोकेट हरदयाल सिंह ठाकुर ने कहा कि राही वास्तव में सत्यता की पहचान थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार रमेश दीक्षित ने की और राही के जीवन से जुड़े संस्मरण साझा किए। संचालन प्रो. अप्रतुल शुक्ल और नरेंद्र सिंह अकेला ने किया। राही की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में वरिष्ठ कवि सुगनचंद जैन को राही सम्मान दिया गया। नंदकिशोर पांचाल, रमेश मयंक, अनिल पांचाल सेवक, हरदीप दायले, तरूण उपाध्याय, अमित जैन, हर्ष सोनी, दिलीप जैन आदि ने काव्य पाठ किया। आभार अर्जुन सिंह राही और कमल सिंह राही ने व्यक्त किया। अतिथियों का स्वागत हेमंत विजयवर्गीय, महेंद्र सिंह बैस, मनोज त्रिवेदी, श्याम वर्मा, मलखान सिंह दीखित, मनीष गर्ग, जीतेंद्र ठाकुर, दिलीप चौहान, कपूरचंद यादव, घनश्याम गुप्ता, महेंद्र रघुवंशी, संतोष सुपेकर, रमेश चांगेसिया, डॉ. रफीक नागौरी आदि ने किया।

प्रख्यात साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र जोशी की अंतिम पुस्तक जिन्दगी लाईव का लोकार्पण आज

उज्जैन। नगर के प्रख्यात साहित्यकार, हिन्दी और मालवी के कवि तथा दैनिक उज्जैन सान्दीपनि के संस्थापक पितृपुरुष डॉ. देवेन्द्र जोशी की अन्तिम पुस्तक जिन्दगी लाईव का लोकार्पण मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के तत्वावधान में आज शनिवार 26 अप्रैल को कोठी रोड स्थित प्रेस क्लब में सायं 6 बजे आयोजित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने बताया कि लोकार्पण प्रसंग के मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव पूर्व कुलपति इग्नो नई दिल्ली एवं सारस्वत अतिथि डॉ. बालकृष्ण शर्मा पूर्व कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन होंगे। अध्यक्षता मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के अध्यक्ष प्रो. हरिमोहन बुधौलिया करेंगे।

अमर नेत्रदानी निरंजनलाल सोनी (माहेश्वरी) का भाविप विक्रमादित्य ने करवाया नेत्रदान

उज्जैन। इस सत्र का पहला नेत्रदान भारत विकास परिषद विक्रमादित्य उज्जैन ने अमर नेत्रदानी श्री निरंजनलाल जी सोनी (माहेश्वरी) का करवाया।

संस्था अध्यक्ष डॉ. प्रशांत पाटीदार एवं सचिव डॉ. विशाल पाटीदार ने बताया कि संस्था संरक्षक भगवान शर्मा एवं डॉ. सुनील शर्मा की प्रेरणा से उनके पुत्र सुनील सोनी प्रबंधक पंजाब नैशनल बैंक ने परिवारजनों की सहमति से इस पुण्यकार्य के माध्यम से दो लोगों को नेत्र-ज्योति दिलवाई। गीता भवन ट्रस्ट बड़नगर के डॉ. जी. एल. दादरवाल ने सोनी परिवार को धन्यवाद देने के साथ नेत्रदान के लाभ उपस्थित लोगों को बताए। डॉ. जितेंद्र शर्मा, संजीव गंगवाल, डॉ. अजय मंडलोई, आशीष यादव, तरुण शितोले, आलोक जोशी, पराग काबरा, डॉ. सी.पी. पाटीदार, डॉ. राहुल नागर, डॉ. दीपक फुलवानी, डॉ. शरद गोवा, डॉ. मुस्तफा सिंगापुरवाला, डॉ. रूपेश खत्री, डॉ. उमेश शुक्ला, डॉ. योगेश सर्राफ, डॉ. रजनीश पाटीदार, डॉ. विजय पाटीदार, डॉ. आदित्यवर्धन पाटीदार, डॉ. विजय पाटील, डॉ. बी. के. मालवीय, डॉ. पदमसिंह नरवरिया, डॉ . समर्थ पाटीदार, डॉ. गिरधर सोनी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

श्रमण परंपरा का महाकुंभ इंदौर सुमति धाम में पट्टाचार्य महोत्सव 27 से

संतों एवं मुनियों के लिए उज्जैन जैन समाज द्वारा कई चौकों की व्यवस्था की गई

उज्जैन। संतवाद-पंथवाद-ग्रंथवाद से मुक्त, अध्यात्मयोगी, शताब्दी देशनाकार, चर्या शिरोमणि श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज का पट्टाचार्य महोत्सव 27 अप्रैल से 2 मई 2025 तक इन्दौर के सुमति धाम, गोधा एस्टेट में आयोजित होगा। विश्व जैन जगत के इतिहास में अभूतपूर्व होने वाले इस आयोजन में जहां एक साथ 400 संत गण शामिल होंगे, वहीं इस महोत्सव के लिए उज्जैन सहित देश-विदेश से लाखों की संख्या में समाजबंधुओं के भाग लेने की संभावना है। देशभर के जैन समाज में जन-जन के बीच चर्चित इस ऐतिहासिक महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है।

गुरु भक्त परिवार के प्रमुख अनिल गंगवाल एवं प्रदीप झांझरी ने बताया कि विगत वर्ष 2024 में आयोजनों की परम्परा को बदलकर, न बोली, न चंदा, समय के हर पल का सदुपयोग कर सम्पूर्ण विश्व में चर्चा बना था सुमति धाम पंचकल्याणक महोत्सव। वही इतिहास परिमार्जित होकर पुनः सामने आ रहा है। उज्जैन सहित सम्पूर्ण भारत का जैन समाज इन्दौर में इन दिनों प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव से अंतिम तीर्थकर महावीर के जन्म कल्याणक, आचार्य मुनिराज, आर्यिका, संघों का आना, संत मिलन का साक्षी बन आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज के पट्टाचायमहोत्सव एवं सुमतिधाम की और टकटकी लगाकर देख रहा है। हर घर में मंगलाचार गाए जा रहे हैं, हर व्यक्ति इन्दौर पहुंचना चाहता है, इन्दौर इन्द्रपुरी जैसा सज गया है। इन्दौर के आसपास आचार्य, महाराज, मुनिराज, आर्यिका माताजी आदि त्यागियों की सुगंध महक रही है। इन्दौर नगर में प्रतिदिन संतों का आगमन श्रद्धालुओं को आनंद महसूस करा रहा है। इस अवसर पर उज्जैन जैन समाज से भी हजारों की संख्या में समाज-जन शामिल होंगे एवं इस भव्य आयोजन में अपनी ओर से अपना विशेष योगदान देंगें। समाज द्वारा संतों एवं मुनियों के लिए उज्जैन जैन समाज द्वारा भी कई चौकों की व्यवस्था की गई है।

20 वर्ष की छोटी उम्र में ही दीक्षा प्राप्त कर जन-जन में धर्म का उपदेश एवं युवा वर्ग को धर्म मार्ग पर प्रशस्त करते हुए सम्यक्दर्शन, ज्ञान और चरित्र ही मोक्षमार्ग है ऐसी बात को बहुत सरल रूप से बताने वाले आचार्य भगवन्त परम पूज्य आध्यात्म योगी 108 श्री विशुद्धसागर महाराज यता नाम तथा गुण रूप है।

आचार्य श्री को तत्व का इतना गहन चिन्तवन है कि जिनवाणी उनके कण्ठ में विराजमान रहती है। आचार्य श्री के प्रवचन इतने सरल व स्याद्वाद से भरे होते है कि हमारे अष्ट मूल गुण तो क्या, अणुव्रत और महाव्रत तक लेने के भाव हो जाते है। आचार्य श्री स्वयं युवा है और युवाओं को शाकाहार अपनाने पर जोर देते हुए मानवता का संदेश जन हितार्थ अपने उपदेशों के माध्यम से प्रेषित कर रहे है।

श्री वल्लभाचार्य जयंती महोत्सव में निकली शोभायात्रा

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, श्री वल्लभ वैष्णव महिला मंडल एवं श्री वल्लभ वैष्णव युवा मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्री वल्लभाचार्य जयंती महोत्सव में वैष्णवाचार्य द्वितीयपीठ युवराज गो. श्री 108 श्री हरिरायजी महादेयश्री (नाथद्वारा-इन्दौर) के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी के अनुसार ट्रस्टी एवं संयोजक विट्ठल नागर के नेतृत्व में श्रीनाथजी की हवेली, ढाबारोड़ से शोभायात्रा निकली जो गोपाल मंदिर, छत्री चौक, सराफा, कंठाल, तेलीवाड़ा चौराहा सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई निकास चौराहा पहुंची। ढोल नगाड़ों के साथ निकली शोभायात्रा में घोड़े, बग्गी शामिल हुए। डीजे, बैंड की धुन पर वैष्णवजन झुमते नाचते चले। पालकी के विराजमान भगवान का पूजन रास्ते भर हुआ शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा हुई एवं स्वागत किया गया। यात्रा में राजेन्द्र शाह, आनंद पुरोहित, जयेश श्रॉफ, मनीष नागर, विशाल नीमा, अमित नागर, अमर दिसावल, नितीन नीमा, राजश्री दिसावल, पारुल शाह, हेतल शाह, नूपुर नीमा, वर्तिका नागर, मनीषा नागर, कामिनी शाह सहित बड़ी संख्या में वैष्णवजन शामिल हुए। शोभायात्रा समापन पर महाराजजी के आशीर्वचन भी हुए। अतिथियों का सम्मान किया गया। महाप्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com